

अर्पिता को मिली ललित कला अकादमी की रत्न सदस्यता



अर्पिता सिंह को ललित कला अकादमी रत्न सदस्यता चिह्न देते अकादमी के अध्यक्ष डॉ. कल्याण कुमार चक्रवर्ती । जागरण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अर्पिता सिंह की कला जीवन का उत्सव है। वह अपने समय के पीछे जाकर हमारे समय के अंधकार में डूबे हिस्सों को भी दिखाती हैं। कला में अंधेरे हिस्सों को सामने लाना एक महत्वपूर्ण बड़ी बात है। उक्त विचार वरिष्ठ कवि, आलोचक और ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक वाजपेयी ने प्रख्यात कलाकार अर्पिता सिंह को अकादमी की रत्न सदस्यता प्राप्त करने के अवसर पर व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनका सम्मान खुद अकादमी का अपने को सम्मानित करना है।

शुक्रवार शाम साहित्य अकादमी सभागार में अर्पिता सिंह को ललित कला अकादमी की रत्न सदस्यता प्रदान

की गई थी। इस अवसर पर एक ताम्रफलक के साथ उन्हें दो लाख रुपये की राशि अकादमी के अध्यक्ष डॉ. कल्याण कुमार चक्रवर्ती द्वारा प्रदान की गई। ललित कला अकादमी के अध्यक्ष ने कहा कि हम पहली बार किसी कलाकार को रत्न सदस्यता देने के साथ-साथ उनकी कृतियों की एक सिंहावलोकन प्रदर्शनी भी लगा रहे हैं। इस अवसर पर अकादमी द्वारा प्रकाशित अर्पिता की कृतियों पर आधारित एक चित्रावली और प्रदर्शनी के कैटलॉग का भी विमोचन किया गया। दीर्घा में 24 अक्टूबर तक उनके 50 से ज्यादा चित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। 1961 के बाद ललित कला अकादमी में अर्पिता की चयनित कृतियां प्रदर्शित की गई हैं।